महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 5 | मई, 2026 | www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

खेती पर गर्मी का कहर, लू के खतरे के बीच किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

तेज गर्मी और लू के बढ़ते असर के बीच खेतों में नमी बनाए रखना किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में अलग-अलग राज्यों के लिए फसलों को बचाने और नुकसान कम करने के लिए कृषि सलाह जारी की गई हैं।

बढ़ते तापमान और संभावित लू के असर को देखते हुए कृषि-मौसम विशेषज्ञों ने किसानों के लिए विशेष सलाह जारी की है। गर्म और शुष्क मौसम के कारण फसलों में नमी तेजी से कम हो रही है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में सिंचाई, मल्चिंग और फसल संरक्षण के उपाय बेहद जरूरी हो गए हैं।

महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में मूंग, सब्जियों और नए लगाए गए सुपारी व नारियल के पौधों की नियमित सिंचाई करने की सलाह दी गई है, जबकि विदर्भ तथा मध्यप्रदेश में ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे-मूंग, मूंगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल और चारा फसलों में सुबह-शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने को कहा गया है। साथ ही वाष्पीकरण कम करने के लिए पुआल बिछाकर मल्चिंग और नई फसलों पर शेड नेट लगाने की भी सलाह दी गई हैं।

गुजरात में ग्वार, खीरा, लौकी, तोरई और करेला जैसी फसलों में हल्की सिंचाई जरूरी बताई गई है, जबकि मूंगफली में फूल और गांठ बनने के समय पानी देना महत्वपूर्ण है।

RMPCL

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये,
आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412

MAHAVEERA ZITRON

सोयाबीन की उन्नत खेती के बारे में जानकारी -

उपयुक्त जलवायु एवं भूमि

- सोयाबीन के लिए गर्म एवं नम जलवायु उपयुक्त होती है।
- अच्छी जल निकासी वाली दोमट या काली मिट्टी सर्वोत्तम रहती है।
- मिट्टी का pH 6.0 से 7.5 उपयुक्त माना जाता है।

उन्नत किस्मों का चयन

क्षेत्र अनुसार प्रमाणित एवं अधिक उत्पादन देने वाली किस्में चुनें:

JS-95-60 | JS-20-29 | RVS-2001-4

NRC-37 | MACS-1407

खेत की तैयारी

- 2-3 बार जुताई कर मिट्टी भुरभुरी बनाएं।
- खेत समतल रखें ताकि जलभराव न हो।
- अंतिम जुताई के समय गोबर खाद या कम्पोस्ट मिलाएँ।

बीज दर एवं बुवाई

- बीज दर : 30-40 किग्रा प्रति एकड़
- कतार से कतार दूरी : 45 सेमी
- पौधे से पौधे दूरी : 5–7 सेमी
- बुवाई का उचित समय: मानसून की शुरुआत (जून–जुलाई)

RMPCL आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला 6 Nutrition का Sixer महावीरा ज़िरोंन पॉवर सभी फसलों के लिए मान्य MAHAVEERA ZIRON

बीजोपचार

- बीजोपचार गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

फफूंदनाशी उपचार

- कार्बेन्डाजिम + थायरम @ 2–3 ग्राम प्रति किलो बीज

जैविक उपचार

- राइजोबियम एवं PSB कल्चर का उपयोग करें।
- ट्राइकोडर्मा से उपचार करने पर जड़ रोग कम होते हैं।

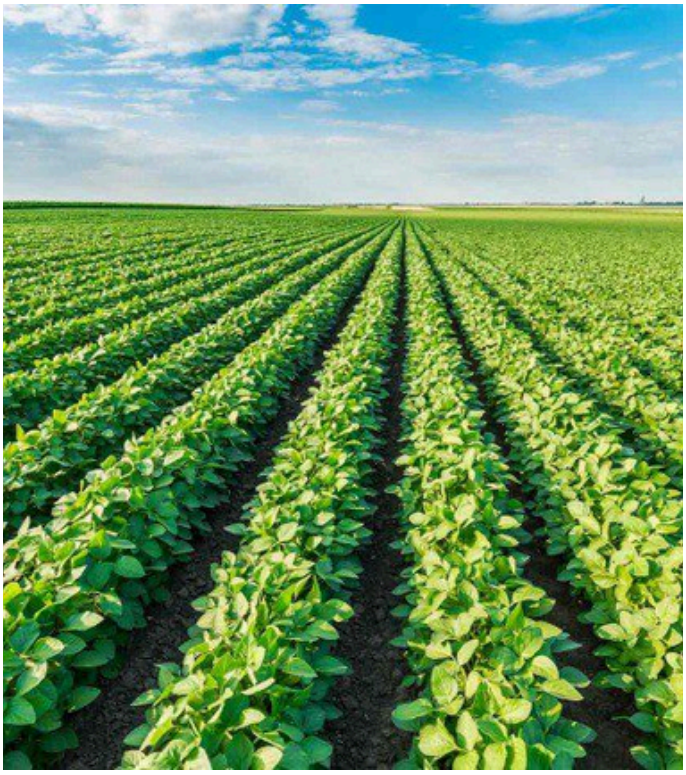

पोषक तत्व प्रबंधन

- संतुलित उर्वरक उपयोग से गुणवत्ता एवं उत्पादन दोनों बढ़ते हैं।

सूक्ष्म पोषक तत्व

- जिंक एवं बोरॉन की कमी होने पर स्प्रे करें।
- फूल अवस्था में सूक्ष्म पोषक तत्व स्प्रे से दाना भराव अच्छा होता है।

खरपतवार नियंत्रण

- पहले 40 दिन खरपतवार नियंत्रण अत्यंत जरूरी है।

रासायनिक नियंत्रण

- पेंडीमेथालिन का प्री-इमर्जेंस छिड़काव।
- इमेजेथापायर या क्विजालोफॉप का आवश्यकता अनुसार उपयोग।

खाद और उर्वरक खाद प्रबंधन

सर्वोत्तम परिणामों के लिए सोलिवेरा ऑर्गेनिक खाद का उपयोग 8–10 बैग प्रति एकड़ की दर से करें।

सोयाबीन की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 10:24:16:08) प्रति एकड़

अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	Boron	Mgso4
	KG	KG	KG	KG	ML	GM	KG
बुवाई के समय	150	26	10	4	0	0	25
25-30 दिन बाद में	0	0	12	0	0	0	0
45-50 दिन बाद में	0	0	0	0	500	250	0
75-80 दिन बाद में	0	0	0	0	0	0	0
कुल मात्रा KG/GM/ML	150	26	22	4	500	250	25
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी में	25-30 दिन की अवधि मे 19:19:19 , 45-50 दिन की अवधि मे 12:61:00 , तथा 80-85 दिन की अवधि मे 00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे						

सिंचाई प्रबंधन

- सामान्यतः वर्षा आधारित फसल है।
- फूल एवं दाना भराव अवस्था में नमी की कमी न होने दें।
- जलभराव से बचाव करें।

कटाई एवं भंडारण

- जब पत्तियाँ पीली होकर गिर जाएँ और दाने कठोर हो जाएँ तब कटाई करें।
- नमी 12% से कम होने पर भंडारण करें।
- साफ एवं सूखी जगह पर भंडारण करें।

RMPCL
किसान भाइयों की हर परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज
महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद और सूक्ष्मतत्वों का साथ
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

कपास की फसल में उकठा रोग बीमारी (Wilt) के लक्षण एवं उपाय बताए :

उकठा रोग (Wilt)

लक्षण:

- पौधे अचानक मुरझाने लगते हैं।
- पत्तियाँ पीली होकर सूख जाती हैं।
- जड़ों में सड़न दिखाई देती है।

उपाय:

- बीजोपचार करें।
- खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था रखें।
- रोगग्रस्त पौधों को खेत से बाहर निकालें।
- ट्राइकोडर्मा या कार्बेन्डाजिम का प्रयोग करें।

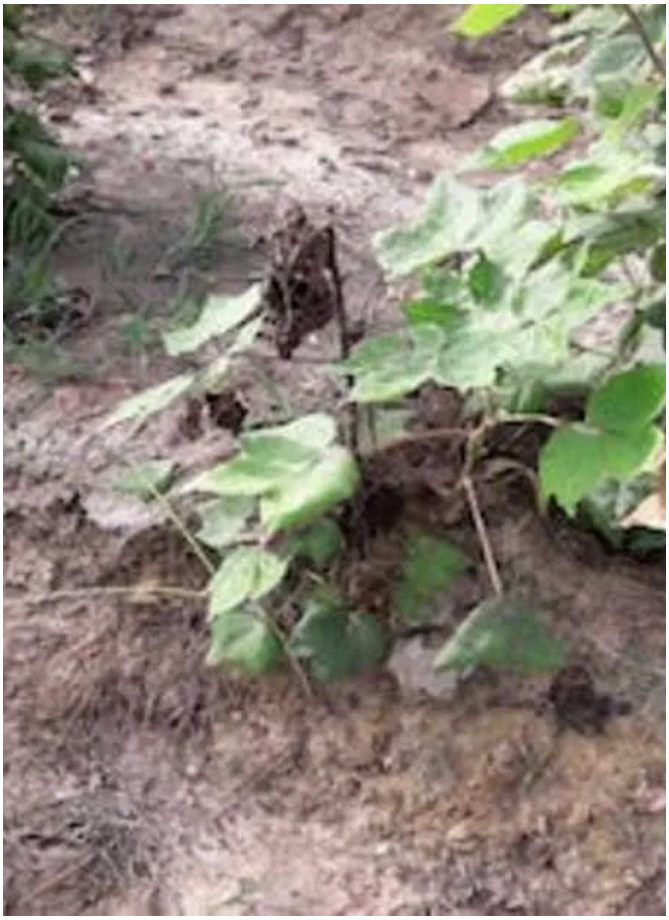

कपास मे बैक्टीरियल ब्लाइट बीमारी (Angular Leaf Spot) के लक्षण एवं उपाय बताए?

लक्षण:

- पत्तियों पर भूरे या काले धब्बे बनते हैं।
- पत्तियाँ सूखकर गिरने लगती हैं।

उपाय:

- रोगरोधी किस्मों का चयन करें।
- कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें।
- संक्रमित पौधों को नष्ट करें।

तरबूज मे फल सड़न रोग (Fruit Rot) रोग के लक्षण एवं उपाय बताए??

लक्षण:

- फलों पर भूरे या काले धब्बे बनते हैं।
- फल सड़ने लगते हैं।

उपाय:

- फल को मिट्टी के सीधे संपर्क से बचाएँ।
- खेत में अधिक नमी न रहने दें।
- कार्बेन्डाजिम या मैनकोजेब का छिड़काव करें।

तरबूज में मोजेक वायरस रोग (Mosaic Virus) रोग के लक्षण एवं उपाय बताए??

लक्षण:

- पत्तियाँ पीली-हरी चित्तीदार दिखाई देती हैं।
- पौधों की वृद्धि रुक जाती है।

उपाय:

- एफिड (चेपा) का नियंत्रण करें।
- इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।
- रोगग्रस्त पौधों को निकाल दें।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
MAHAVEERA ZITRON

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6
पोषक तत्वों वाला
6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर सभी
फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

महावीरा यशोगाथा

इस्लाम पटेल
बिलोदा नायता, इंदौर
फसल- सोयाबीन
मोबाइल : 9977181817
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

मेरे पास कुल लगभग 100 बीघा जमीन है। मैंने महावीरा ज़िरोंन अपनी 50 बीघा जमीन में डाला है। मैंने यह अंतर देखा कि मेरी दूसरी 50 बीघा जमीन में न तो इतनी फलियाँ हैं और न ही दाने इतने बोल्ड हैं। वहीं, जिस खेत में ज़िरोंन डाला है, वहाँ की सोयाबीन एकदम पीली पड़कर शानदार आ रही है।

मैं ज़िरोंन से बहुत संतुष्ट हूँ और सभी को इसकी सलाह दूँगा। मैं अपने किसान साथियों से यही कहना चाहूँगा कि वे भी ज़िरोंन का उपयोग करें और उन्नत खेती के साथ अधिक उत्पादन प्राप्त करें।

जितेंद्र सिंह सेंधव
विजयगढ मुरमया, देवास
फसल- सोयाबीन
मोबाइल : 9770661189
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन

पहले मैं SSP का उपयोग करता था, लेकिन जब से मैंने अपनी फसल में महावीरा ज़िरोंन का उपयोग किया है, तब से उत्पादन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। मैंने 8 बीघा में सोयाबीन लगाई थी और ज़िरोंन डालने के बाद बहुत अच्छे परिणाम मिले। मुझे विश्वास है कि इस 8 बीघा से 40 क्विंटल से कम उत्पादन नहीं होगा। मैं ज़िरोंन का उपयोग सभी फसलों में करता हूँ और किसान भाइयों को भी इसकी सलाह देता हूँ।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412